हिन्दी के प्रति समर्पित मुख्य न्यायाधीश

पहला आदेश हिंदी में

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश यतीन्द्र सिंह रोजाना हिंदी में फैसला या आदेश देते हैं। यह सिलसिला उनके चीफ जस्टिस बनने के बाद से लगातार जारी है। उनकी कोर्ट में दिन का पहला घंटा हिंदी को समर्पित होता है। हाईकोर्ट में कार्यभार संभालने के बाद मुख्य न्यायाधीश यतीन्द्र सिंह ने वकीलों से हिंदी में काम करने का आग्रह किया। बाद में उन्होंने खुद ही रोज हिंदी में आदेश या फैसला देना शुरू किया। न्यायमूर्ति यतीन्द्र सिंह इलाहाबाद के रहने वाले हैं और अक्टूबर 2012 से यहां मुख्य न्यायाधीश हैं। देश के सभी हाईकोर्ट में अमूमन अंग्रेजी में ही बहस होती है और फैसले भी इसी भाषा में जारी किए जाते हैं। संविधान में व्यवस्था है कि हाईकोर्ट अपनी राज्य की भाषा का उपयोग कर सकते हैं। संविधान के अनुच्छेद 348 (2) में इसका प्रवधान है। वकील हिंदी में बहस कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ के बैकुंठपुर के रहने वाले जस्टिस गुलाब गुप्ता सालों पहले मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में हिंदी में फैसला देते थे।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति प्रेम प्रकाश भी अपने सभी फैसले हिन्दी में ही देते थे।

हिंदी में जारी किया गया आदेश।

फैसले के बाद अंग्रेजी अनुवाद भी

चीफ जस्टिस द्वारा हिंदी में दिए आदेश या फैसले के साथ ही उसका अंग्रेजी अनुवाद होता है। वकील या मुवक्किल हिंदी या अंग्रेजी, दोनों की कॉपी ले सकते हैं। पिछले दिनों उन्होंने बिलासपुर नगर निगम में काम करने वाले एक ठेकेदार की याचिका पर भी हिंदी में फैसला दिया था।

छत्तीसगढ़ी में दिया था फैसला

मई २००१ से सितंबर २००६ तक छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जज रहे जस्टिस फखरुद्दीन ने अपने कार्यकाल में कई फैसले हिंदी में दिए। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बुजुर्ग के मामले में उन्होंने करीब ४० पेज का फैसला हिंदी में दिया था। २००४ में उन्होंने भरण-पोषण के एक मामले में छत्तीसगढ़ी फैसला दिया था। फुल कोर्ट के फैसले की जानकारी देने पर उन्होंने इसका श्रेय चीफ जस्टिस यतीन्द्र सिंह को दिया। उन्होंने कहा कि चीफ जस्टिस ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में हिंदी का वातावरण बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

अनूप सिन्हा : हादसा या हत्या

❍डॉ. एस.के. शर्मा, एडवोकेट

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ बेंच के रजिस्ट्रार कार्यालय में तैनात डिप्टी रजिस्ट्रार अनूप सिन्हा की मृत्यु हजरतगंज कोतवाली क्षेत्र में सड़क हादसे में हो गयी लेकिन ये मौत कई सवाल छोड़ गयी है जिसके गहन पड़ताल की आवश्यकता है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना वाली रात अनूप सिन्हा हाई कोर्ट आफिस से लगभग 8 बजे घर के लिए निकल गये थे और यह दुर्घटना लगभग 10 बजे रात्रि को घटित हुई। हाई कोर्ट से दुर्घटना स्थल की दूरी मात्र 3 मिनट की है। अब प्रश्न उठता है कि वे लगभग दो घंटे कहां रहे, किसके साथ रहे तथा किस हालत में थे।

डिप्टी रजिस्ट्रार अनूप सिन्हा लगभग 20 वर्षो से रजिस्ट्रार कार्यालय में तैनात थे तथा उनके जिम्मे बहुत महत्वपूर्ण कार्य एवं फाइलें थी जिनमें कुछ का सम्बन्ध जांच—पड़ताल से भी था।

ज्ञात हो कि 31 मार्च 1998 को लाइब्रेरियन डी.पी. सिंह की मौत भी संदिग्ध परिस्थितियों में कोर्ट परिसर में हुई थी जिसका रहस्य आज भी बना हुआ है। डी.पी. सिंह की पत्नी ने पुलिस द्वारा दाखिल पहली फाइनल रिपोर्ट को चैलेंज किया तो पुनः जांच का आदेश हुआ। लेकिन अभी तक 16 वर्ष बीत जाने के बाद भी गुत्थी नहीं सुलझ सकी।

इस हादसे की गहन जांच आवश्यक है।

कतन्ना

-शब्दवेधी

☐ हमें संसद में बोलने नहीं दिया जा रहा है। संसद में ऐसी भावना है कि देश में किसी बात पर केवल एक व्यक्ति की बात मायने रखती है। यह पूरी तरह से एकतरफा व पक्षपात पूर्ण है। -राहुल गांधी

◆ भइया, २००४ से २५ मई २०१४ के १० वर्षों में कितनी बार आपने संसद में बोलने का प्रयास किया? शायद एक या दो बार। मायने तो हर समय केवल एक ही की बात रखती है चाहे वह इंदिरा गांधी रही हों, सोनिया गांधी या फिर आप स्वयं। लगता है आपकी याददाश्त बहुत कमजोर है। आपने दागी नेताओं के कैबिनेट के निर्णय को फाड़ कर रद्दी में डालने की बात कही और वह २४ घंटे के अन्दर राष्ट्रपति के पास से वापस मंगाकर रद्दी की टोकरी तो छोड़िए गटर में डाल दिया गया। बताइये आप की चली कि किसी और की।

☐ चाहे आर्मी या दुनिया भर की पुलिस लगा दी जाय और चाहे भगवान भी धरती पर आ जाएं, उत्तर प्रदेश में दुष्कर्म की घटनाएं पूरी तरह रोकी नहीं जा सकती। -अजीज कुरैशी, राज्यपाल

◆ जिस दिन जिम्मेदार पदों (राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, राज्यपाल आदि) पर बैठे नेताओं और अफसरों (मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, डीजीपी, आईजी, डीआईजी, एसएसपी आदि) की घर की महिलाओं के साथ रेप होने लगेंगे ये घटनाएं एक दिन में रुक जायेंगी।

एक और बात आपने भगवान को इन्हें रोकने में अक्षम बताकर हिन्दुओं का अपमान किया है यही बात अल्लाह के लिए क्यों नहीं कही? क्या अल्लाह इन्हें रोक सकते हैं? शायद मुसलमान होने के नाते आपने अल्लाह पर उंगली नहीं उठायी।

☐ मीटिंग के बाद लंच पर गये पता चला अब मुख्य सचिव नहीं रहे -खबर

◆ सपा सरकार और पार्टी सरप्राइज लंच पर ही देती है ऐसे ही चुनाव के समय जब लखनऊ लोकसभा सीट के प्रत्याशी अशोक बाजपेयी मीटिंग के बाद लंच करने गये तो टी.वी. समाचार से पता चला वे सपा के लोकसभा प्रत्याशी नहीं रहे।

अब सपा के अफसरों/नेताओं को लंच से परहेज करना चाहिए कम से कम कुर्सी तो बची रहेगी।

☐ भ्रष्टाचार मिटाना प्राथमिका -चन्द्रशेखर राव, मुख्यमंत्री, नवगठित राज्य तेलंगाना

☐ बेटे के.टी. राव व भांजे हरीश राव को मंत्री बनाया।

◆ मुख्यमंत्री जी, परिवारवाद से भ्रष्टाचार बढ़ता है मिटता नहीं है इसे कहते हैं, 'अंधा बांटे रेवड़ी आपुहि आपुहि लेय'

☐ वोट नहीं तो कैसा लैपटाप, बेरोजगारी भत्ता -गायत्री प्रजापति, मंत्री उ०प्र०

◆ यानि कि आप लोग सरकारी धन से वोट खरीदना चाहते थे। हुआ इसका ठीक उल्टा इसको कहते हैं 'मियां की जूती मियां के सर' लैपटाप दिया अपने यूज हुआ मोदी के लिए।

☐ कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की बेटी प्रियंका गांधी और दामाद राबार्ट वाड्रा की सुरक्षा कम न करने का फैसला किया है। साथ ही उनके और उनके परिवार को हवाई अड्डों पर मिलने वाली जांच रियायत जारी रहेगी -केन्द्र सरकार

◆ चोर-चोर मौसेरे भाई। सुरक्षा की बात तो ठीक है लेकिन ये तो बताइये सुरक्षा का एअरपोर्ट में रियायत से क्या ताल्लुक है? क्या एअरपोर्ट पर जांच से सुरक्षा कम हो जाती है? बन्द करो ये नाटक करना यूपीए एनडीए में कोई फर्क नहीं रहेगा।

☐ अपनी हरकतों से बाज आये पाक -जेटली

◆ पिछले ६७ वर्षों से मंत्री यही हिदायत दे रहे हैं कुछ नया बयान दीजिए क्याकि इससे पाक बाज आने से रहा। अब जरा साल और साड़ी से बाहर आइये कुछ ठोस कार्रवाई कीजिए कोरी बयान बाजी से तो पिछले ६७ साल से हो रही है।

☐ अल्पसंख्यकों को आबादी के हिसाब से दें लाभ -मुख्य सचिव, आलोक रंजन

◆ बड़े बाबू होकर नेताओं की भाषा मत बोलिए सिर्फ अल्पसंख्यकों को ही क्यों बहुसंख्यकों को आबादी के हिसाब से लाभ क्यों नहीं?

☐ राम मंदिर के लिए कानून बनाये संसद -प्रवीन तोगड़िया

◆ क्यों संसद के पास और कोई काम नहीं है क्या?

☐ चीनी मिल मालिकों को ब्याज मुक्त अतिरिक्त ऋण, भारी निर्यात सब्सिडी, आयात शुल्क में बढ़ोत्तरी, एक्साइज ड्यूटी माफ, पेट्रोल में १० प्रतिशत एथनाल मिलाने की अनुमति -सरकारी निर्णय

◆ चीनी मिल मालिकों के तो अच्छे दिन आ गये। ये चुनाव में दिए गये चन्द्र का रिटर्न गिफ्ट है मिलों को ६ माह में यह तीसरा पैकेज है। एन.डी.ए. यू.पी.ए. का ही एजेन्डा लागू कर रही है।

☐ चीनी का पर्याप्त भंडार है। एक साल गन्ना नहीं भी होता तो बहुत फर्क नहीं पड़ेगा? -राम विलास पासवान

◆ मतलब किसान की परवाह करने की जरूरत नहीं है।

☐ सांई को मानने वाले बंद करें राम की पूजा -शंकराचार्य

◆ क्यों राम पर तुम्हारी बपौती है क्या? जिस देश में काल गर्ल (राधा मां महामण्डलेश्वर लेजर बाल वाली) नचनिये (अमिताभ) खिलाड़ियों (सचिन) की लोग पूजा करते हैं मंदिर बनाते हैं वहा सांई की पूजा व मंदिर से क्यों आपत्ति? तुम्हें चढ़ावा उन पर चले जाने का दर्द है अय्याशी के लिए पैसे कम पड़ रहे हैं।

☐ प्रधानमंत्री का पद लोकतंत्र में गरिमा, सुचिता और सर्वोच्च जिम्मेदारी का पद है। -कांग्रेस प्रवक्ता

◆ यह बात किसी कांग्रेसी प्रवक्ता के मुंह से अच्छी नहीं लगती क्योंकि गत १० वर्षों में उनकी पार्टी की महारानी व राजकुमार ने प्रधानमंत्री की गरिमा का कितना ध्यान दिया यह किसी से छिपा नहीं है पूरी कैबिनेट जिसके मुख्यिा प्रधानमंत्री होते हैं द्वारा लाये गये अध्यादेश को जिस तरह बकवास कहकर फाड़ फेकने की बाते कही लगता है उसे आप भूल गये और